SONAM BALA
(DEPT. OF GEOGRAPHY)
A.N.D. COLLEGE, SHAHPUR PATORY, SAMASTIPUR
21st MAY 2020
THURSDAY

FOR B.A.-1 (Subs)
PAPER-1, PHYSICAL & ECONOMIC GEOGRAPHY

LECTURE-49

UNIT-2 DEPOSITIONAL GLACIAL LANDFORMS

हिमनद निक्षेपात्मक स्थलाकृतियाँ

तापमान बढ़ने से हिमानी के बर्फ पिघलने लगते हैं। हिमनद / हिमानी का निक्षेपण कार्य नदी से भिन्न होता है। हिमानी के निक्षेपण कार्य में बर्फ एवं जल दोनों सम्मिलित होते हैं। हिमनद के निक्षेपण से जनित स्थलाकृतियाँ निम्न हैं—

1) मोरेन / हिमोढ़
   (i) तटीय / पार्श्विक हिमोढ़ (Lateral Moraines)
   (ii) मध्यवर्ती हिमोढ़ (Medial Moraines)
   (iii) अंतिम हिमोढ़ (Terminal Moraines)
   (iv) तली के मोरेन (GROUND Moraines)
2) ड्रमलिन / हिम नदोढ़ (Drumlins)
3) खुद्दर फैले बड़े शिलाखंड (Erratic Blocks)
4) विषम स्थिति के हिमोढ़ (Pearched block moraines)

विभिन्न प्रकार के मोरेन या हिमोढ़

हिमानी के जमाव से बनने वाली स्थलाकृतियों में यह सबसे महत्वपूर्ण है। हिमनद के प्रवाह के समय उसके साथ बहने वाले पदार्थों अर्थात् हिमोढ़ों को उनकी स्थिति के अनुसार अलग-अलग नामों से पुकारते हैं। ऐसे निक्षेपण से वहाँ का प्रदेश ऊबड़-खाबड़ एवं दुर्गम-सा बन जाता है। हिमानी के पीछे हटने एवं अर्थात् पिघलने से विभिन्न हिमोढ़ बनते हैं, जो अपने जमाव की स्थिति के कारण भिन्न होते हैं, जो अग्रलिखित हैं—

Scanned by CamScanner

(i) तटीय / पार्श्विक हिमोढ़ → हिमानी की 'U' आकार की घाटी के दोनों किनारों या तटों के निकट यह हिमोढ़ हिमानी की कटाव व बहाव क्रिया से बराबर मिलते हैं। अतः यहीं पर इनका जमाव भी अधिक होता है। इसमें विशाल चट्टानें, चट्टानी टुकड़े व कंकड़, बालू आदि सभी एक साथ पाए जाते हैं। ये हिमोढ़ साधारणतः 9०० फुट से अधिक ऊँचे होते हैं। अलास्का में अनेक स्थानों पर ये 9०००० फुट से भी ऊँचे हैं।

(ii) मध्यवर्ती हिमोढ़ → जब दो हिमानी आपस में मिलते हैं तो दोनों के भीतर की ओर के पार्श्विक हिमोढ़ आपस में मिलकर हिमानी के बीच में ऐसे हिमोढ़ों या कंकड़-पत्थर को एकत्रित करते हैं। ऐसे जमाव बड़े हिमानी क्षेत्र में पाए जाते हैं।

(iii) अंतिम हिमोढ़ → जब घाटी हिमानी नीचे उतरती है तो तापमान अधिक होने से बर्फ पिघलने लगती है। ऐसी स्थिति में यहाँ पर अर्द्ध-चंद्राकार या जीभ के आकार में हिम जमा होते जाते हैं। यहाँ पर बर्फ एवं जल दोनों की क्रियाएँ होती रहती हैं। यह हिमोढ़ प्रायः प्राकृतिक जैसा दिखाई पड़ता है। इसके साथ अनेक अन्य हिमानी स्थलाकृतियाँ भी जुड़ी रहती हैं।

(iv) तली के हिमोढ़ / तलस्थ हिमोढ़ → जो हिमोढ़ बर्फ में फँस जाते हैं, तथा बर्फ के भीतर एवं हिमनद की तली में बहते रहते हैं, वे सभी हिमानी के पिघलने के बाद U-आकार की घाटी के तली में चारों ओर ढेर या टीले की भाँति जमा होते हैं। ऐसे हिमोढ़ पहले के पार्श्विक एवं मध्यस्थ हिमोढ़ों के साथ मिल जाते हैं। बाद में नदी के बहाव से इनका स्वरूप बदलता जाता है। कहीं-कहीं ये बिखरे रूप में पाए जाते हैं। तलस्थ हिमोढ़ क्षेत्रों में झीलें और दल-दल बहुत मिलते हैं।

Scanned by CamScanner

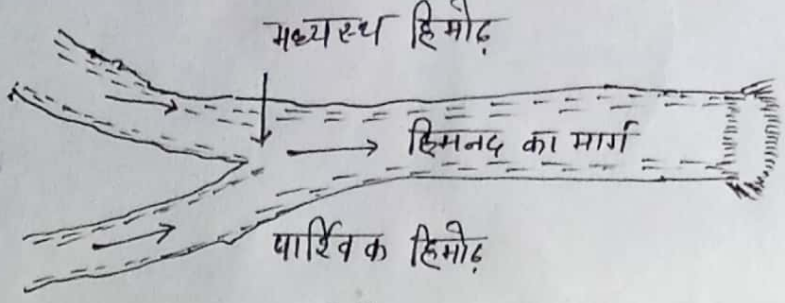

विभिन्न प्रकार के हिमोढ़

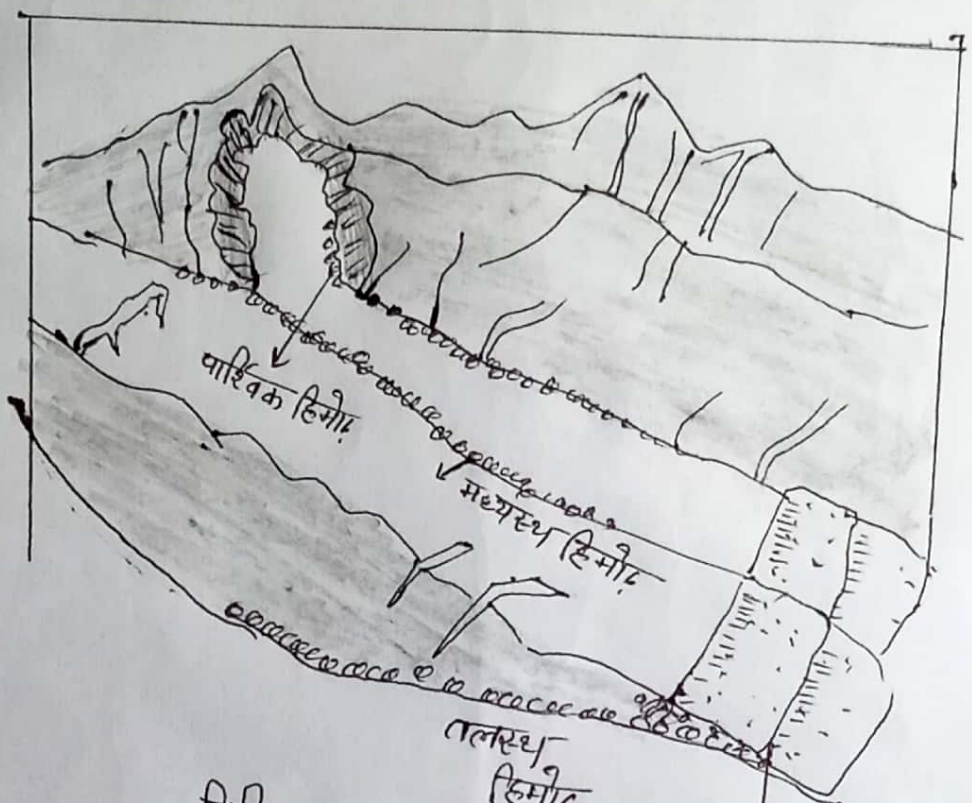

विभिन्न प्रकार के हिमोढ़

Scanned by CamScanner

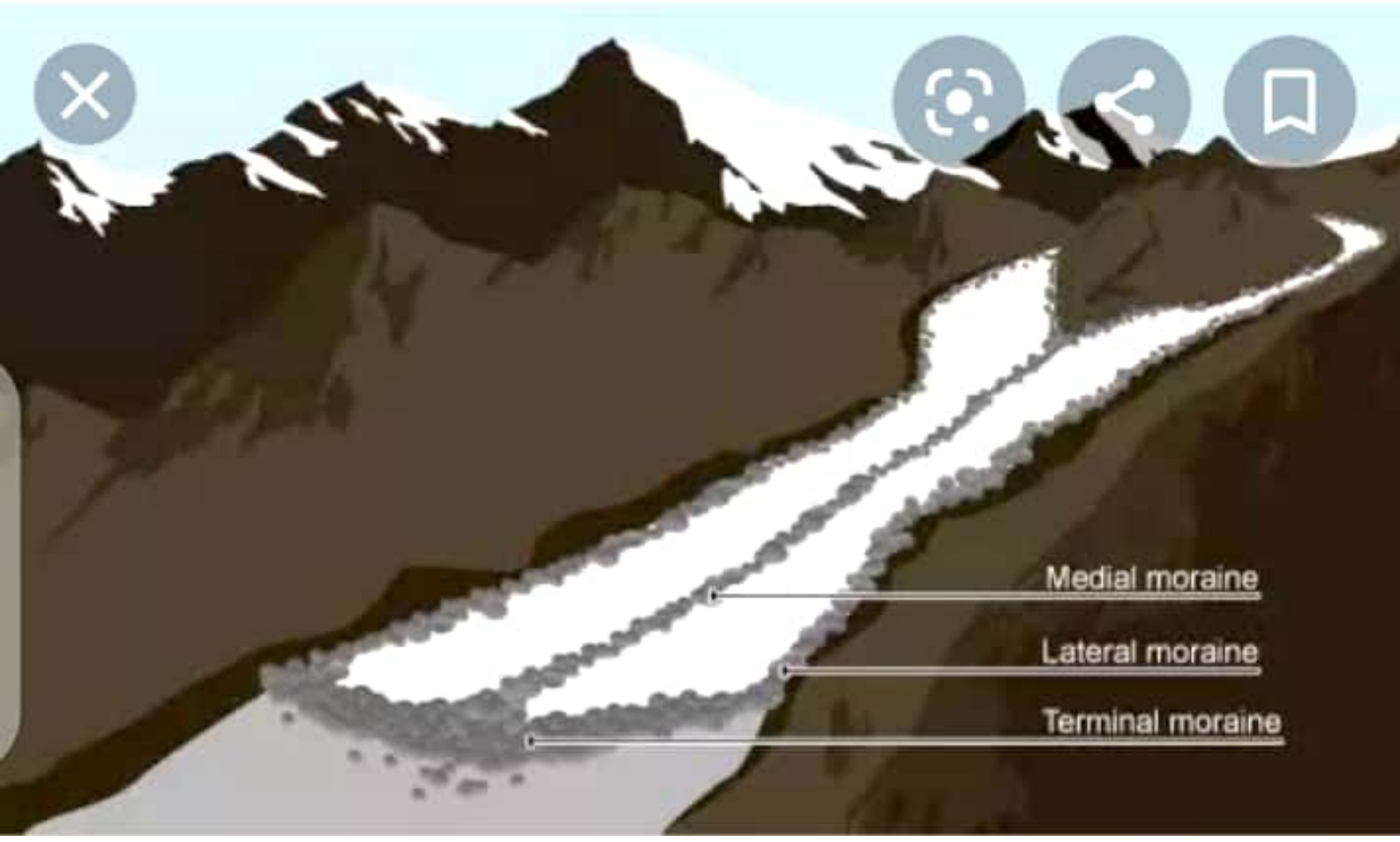

Scanned by CamScanner